प्रश्नकोश

1. गांधी-इर्विन समझौता हुआ मुख्य रूप से—

(a) गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की भागीदारी सहज करने के लिए

(b) सविनय अवज्ञा आंदोलन समाप्त करने के लिए

(c) गांधीजी द्वारा किया गया आमरण अनशन तोड़ने के लिए

(d) नमक पर कर समाप्त करने के लिए

U.P. Lower Sub.(Pre) 1998

उत्तर—(a)

Scanned with OKEN Scanner

गांधीजी ने फरवरी, 1931 में वायसराय लॉर्ड इर्विन से भेंट की और उनकी बातचीत पंद्रह दिनों (आठ बार वार्ता) तक चली, जिसके परिणामस्वरूप 5 मार्च, 1931 को एक समझौता हुआ, जिसे गांधी-इर्विन समझौते के नाम से जाना गया। इस समझौते के तहत कांग्रेस को सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित करना पड़ा। कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए तैयार हो गई। वस्तुतः प्रथम गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस शामिल नहीं हुई थी। यह समझौता मुख्य रूप से गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की भागीदारी सहज करने के लिए हुआ था।

2. प्रसिद्ध 'गांधी-इर्विन समझौता' किस वर्ष हुआ था?

(a) 1929 ई. (b) 1930 ई.
(c) 1931 ई. (d) 1932 ई.
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. गांधी-इर्विन समझौते में निम्नलिखित में से क्या सम्मिलित था/थे?

1. **राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए कांग्रेस को आमंत्रित करना।**
2. **असहयोग आंदोलन के संबंध में जारी किए गए अध्यादेशों को वापस लेना**
3. **पुलिस की ज्यादतियों की जांच करने हेतु गांधीजी के सुझाव की स्वीकृति**
4. **केवल उन्हीं कैदियों की रिहाई जिन पर हिंसा का अभियोग नहीं था**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(a) केवल 1 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 3 (d) केवल 2, 3 और 4

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर–(b)

गांधी-इर्विन समझौता जिसे 'दिल्ली समझौता' के नाम से जानते हैं, 5 मार्च, 1931 को दिल्ली में संपन्न हुआ। इसके तहत निम्नलिखित प्रावधान थे–

1. गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए कांग्रेस को आमंत्रित करना;
2. असहयोग आंदोलन (सविनय अवज्ञा आंदोलन) के संबंध में जारी किए गए अध्यादेशों को वापस लेना;
3. जिन राजनीतिक बंदियों पर हिंसा के आरोप थे, उन्हें छोड़कर बाकी को रिहा करना।

जबकि पुलिस की ज्यादतियों की जांच करने हेतु गांधीजी के सुझाव पर स्वीकृति को इसमें शामिल नहीं किया गया था। इस प्रकार इसका अभीष्ट उत्तर विकल्प (b) होगा।

4. गांधी-इर्विन समझौते पर हस्ताक्षर हुए–

(a) 1931 में (b) 1935 में
(c) 1942 में (d) 1919 में

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

गांधी-इर्विन समझौता 5 मार्च, 1931 को संपन्न हुआ, इस समझौते के अनुसार–

(i) गांधीजी के नेतृत्व में कांग्रेस सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित करने के लिए तैयार हो गई।
(ii) सभी युद्ध बंदियों, जिनके विरुद्ध हिंसा का आरोप नहीं था, को रिहा करने का आदेश।
(iii) विदेशी कपड़ों और शराब की दुकानों पर शांतिपूर्ण धरना देने का अधिकार।
(iv) समुद्र तटीय प्रदेशों में बिना नमक कर दिए नमक बनाने की अनुमति।
(v) कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए तैयार हो गई। परंतु इस समझौते ने जनता को निराश किया क्योंकि भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फांसी न दिए जाने की जनता की मांग को इसमें सम्मिलित नहीं किया गया था।

5. गांधी-इर्विन समझौता हुआ था–

(a) 1930 में (b) 1931 में
(c) 1932 में (d) 1933 में

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. 5 मार्च, 1931 को निम्न में से कौन समझौता हुआ?

(a) इमरसन-गांधी समझौता (b) हैले-गांधी समझौता
(c) इर्विन-गांधी समझौता (d) गांधी-साइमन समझौता

46th B.P.S.C. (Pre) 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. निम्नलिखित में से किसका स्थगन गांधी-इर्विन समझौते में किया जाना प्रस्तावित था?

(a) असहयोग आंदोलन (b) खिलाफत आंदोलन
(c) गोलमेज सम्मेलन (d) सविनय अवज्ञा आंदोलन

U.P. P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

8. **गांधी-इर्विन समझौते के हस्ताक्षरित होने में किसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?**

(a) मोतीलाल नेहरू (b) मदन मोहन मालवीय
(c) तेज बहादुर सप्रू (d) चिंतामणि

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

सविनय अवज्ञा आंदोलन के विस्तारित होते स्वरूप को देखते हुए वायसराय इर्विन ने देश में सौहार्द्र का वातावरण उत्पन्न करने के उद्देश्य से 26 जनवरी, 1931 को गांधीजी को जेल से रिहा कर दिया। तेज बहादुर सप्रू तथा एम.आर. जयकर के प्रयत्नों से गांधी एवं इर्विन के मध्य फरवरी, 1931 में दिल्ली में वार्ता आरंभ हुई। 5 मार्च, 1931 को दोनों के मध्य एक समझौता हुआ, जो गांधी-इर्विन समझौते के नाम से जाना जाता है। इस समझौते के परिप्रेक्ष्य में सरोजिनी नायडू ने गांधी और इर्विन को 'दो महात्मा' (The Two Mahatmas) की संज्ञा दी थी।

9. **गांधी-इर्विन समझौते में किसने मध्यस्थ की भूमिका अदा की?**

(a) मोतीलाल नेहरू (b) तेज बहादुर सप्रू
(c) एनी बेसेंट (d) चिंतामणि

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. **निम्नलिखित व्यक्तियों में किसने इर्विन तथा गांधी को 'दो महात्मा' कहा था?**

(a) मीरा बहन (b) सरोजिनी नायडू
(c) मदन मोहन मालवीय (d) जवाहरलाल नेहरू

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. **निम्नलिखित में से किसने गांधी-इर्विन समझौते में महात्मा गांधी के लाभ को 'सांत्वना पुरस्कार' कहा था?**

(a) एस.सी. बोस (b) एलन कैम्पबेल जॉनसन
(c) बी.जी. हार्निमन (d) सरोजिनी नायडू

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

इर्विन के जीवनीकार, एलन कैम्पबेल जॉनसन ने गांधी-इर्विन समझौते में महात्मा गांधी के लाभों को 'सांत्वना पुरस्कार' (Consolation Prizes) और इर्विन के एकमात्र आत्मसमर्पण के रूप में बातचीत के लिए सहमत होने को कहा था। उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने अपने प्रारंभिक उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) को माना था, परंतु संशोधित उत्तर-पत्रक में विकल्प (b) सही उत्तर मान लिया, जो कि सही है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से किसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन का सभापतित्व किया था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) जे.एम. सेनगुप्ता

(c) एस.सी. बोस (d) वल्लभभाई पटेल

U.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(d)

गांधी-इर्विन समझौते (दिल्ली समझौते) को मंजूरी देने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता में 29-31 मार्च, 1931 को कांग्रेस का कराची अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में पहली बार कांग्रेस ने मौलिक अधिकारों और राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रमों से संबद्ध प्रस्ताव पारित किए। इसी अधिवेशन में कुछ लोगों के विरोध करने पर गांधीजी ने कहा था ''गांधी मर सकता है, गांधीवाद नहीं।'' यह पहला अवसर था जब 'पूर्ण स्वराज्य' को कांग्रेस द्वारा परिभाषित किया गया।

2. 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के लिए, जिसकी अध्यक्षता सरदार पटेल कर रहे थे, किसने मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प प्रारूपित किया था?

(a) महात्मा गांधी

(b) पंडित जवाहरलाल नेहरू

(c) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

(d) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

I.A.S. (Pre) 2010

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

वर्ष 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन में पारित मूल अधिकारों तथा आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प पंडित जवाहरलाल नेहरू ने प्रारूपित किया था तथा एम.एन. राय ने इसमें सहयोगी की भूमिका निभाई थी।

3. निम्नलिखित में से किसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन (1931) को 'महात्मा गांधी की लोकप्रियता और सम्मान की पराकाष्ठा' माना है?

(a) एस.सी. बोस (b) पट्टाभि सीतारमैय्या
(c) सरदार वल्लभभाई पटेल (d) सरदार किशन सिंह

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(a)

सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन (1931) को 'महात्मा गांधी की लोकप्रियता और सम्मान की पराकाष्ठा' माना है।

4. भारतीय स्वाधीनता संघर्ष से संबंधित निम्नलिखित घटनाओं को उनके सही क्रम में रखकर सही कूट चुनिए—

1. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन
3. भगत सिंह को फांसी
4. गांधी-इर्विन समझौता

कूट :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 1, 4
(c) 4, 3, 2, 1 (d) 3, 4, 2, 1

U.P. P.C.S. (Mains) 2006
U.P. P.C.S. (Pre) 2009
U.P. P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर—(c)

गांधी-इर्विन समझौता : कांग्रेस ने वायसराय के साथ बातचीत के लिए गांधीजी को अधिकृत किया। गांधी और इर्विन के बीच लंबी बातचीत के उपरांत 5 मार्च, 1931 को दोनों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए जिसे गांधी-इर्विन समझौते के रूप में जाना जाता है।
भगत सिंह को फांसी : लाहौर षड्यंत्र कांड में भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु को 23 मार्च, 1931 को फांसी दी गई।
कांग्रेस का कराची अधिवेशन : 29 से 31 मार्च, 1931 तक कराची में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में गांधी-इर्विन समझौते की संपुष्टि की गई।
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन : गोलमेज सम्मेलन का दूसरा सत्र 7 सितंबर, 1931 को प्रारंभ हुआ, जिसमें महात्मा गांधी कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित हुए। यह सम्मेलन पूर्णतया निष्फल रहा।

5. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित निम्नलिखित घटनाओं को पढ़ें—

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन
2. राजगुरु को फांसी
3. गांधी-इर्विन समझौता

घटनाओं का सही कालानुक्रम नीचे दिए गए कूट से पता करें—

(a) 3, 2, 1 (b) 1, 2, 3
(c) 2, 3, 1 (d) 1, 3, 2

U.P. P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. भारतीय स्वाधीनता संग्राम से संबंधित निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए—

(1) गांधी-इर्विन समझौता
(2) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन
(3) भगत सिंह की फांसी
(4) पूना समझौता

नीचे दिए गए कूट से घटनाओं का सही कालानुक्रम पता करें—

(a) 1, 3, 4, 2 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 4, 2, 3, 1 (d) 1, 3, 2, 4

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर—(d)

प्रश्नगत घटनाओं का सही कालानुक्रम इस प्रकार है—

घटनाएं	-	कालानुक्रम
गांधी-इर्विन समझौता	-	5 मार्च, 1931
भगत सिंह को फांसी	-	23 मार्च, 1931
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कराची अधिवेशन	-	29 से 31 मार्च, 1931
पूना समझौता	-	24 सितंबर, 1932

गोलमेज सम्मेलन

नोट्स

***10 जून तथा 24 जून, 1930 को साइमन कमीशन की रिपोर्ट प्रकाशित** हुई। * राजनीतिक संगठनों ने कमीशन की सिफारिशों को अस्वीकार कर दिया। * कांग्रेस के प्रमुख नेता जेल में थे। * ब्रिटिश सरकार ने निराशा एवं असंतोष के वातावरण में **नवंबर, 1930 में लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन** बुलाया। * इस सम्मेलन में **89 भारतीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया,** किंतु **कांग्रेस ने इसमें भाग नहीं** लिया। * इस सम्मेलन में भाग लेने वालों में प्रमुख थे—तेज बहादुर सप्रू, श्रीनिवास शास्त्री, मुहम्मद अली, मुहम्मद शफी, आगा खां, फजलुल हक, मुहम्मद अली जिन्ना, होमी मोदी, एम.आर. जयकर, मुंजे, भीमराव अम्बेडकर तथा सुंदर सिंह मजीठिया आदि। * इस सम्मेलन में **ईसाइयों का प्रतिनिधित्व के.टी. पॉल** ने किया था।

Scanned with OKEN Scanner

* इस सम्मेलन का **उद्घाटन ब्रिटिश सम्राट** ने किया तथा इसकी **अध्यक्षता ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड** ने की थी। ***7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931** तक चले **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गांधी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप** में हिस्सा लिया, इनके अलावा **सरोजिनी नायडू** तथा **मदन मोहन मालवीय** ने भी इस सम्मेलन में हिस्सा लिया। * **एनी बेसेंट** ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया था। * **गांधीजी 'एस.एस. राजपूताना' नामक जलपोत से लंदन** पहुंचे तथा वे **लंदन के 'किंग्सले हॉल'** में ठहरे थे। * गतिरोधों के कारण सम्मेलन 1 दिसंबर को समाप्त घोषित कर दिया गया एवं गांधीजी को लंदन से खाली हाथ वापस आना पड़ा। * **स्वदेश पहुंचने पर गांधीजी ने कहा,** "यह सच है कि मैं खाली हाथ लौटा हूं किंतु मुझे संतोष है कि जो ध्वज मुझे सौंपा गया था, उसे नीचे नहीं होने दिया और उसके सम्मान के साथ समझौता नहीं किया। '* द्वितीय गोलमेज सम्मेलन सांप्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण पूरी तरह असफल रहा। * दलित नेता **भीमराव अम्बेडकर** ने दलितों के लिए **पृथक निर्वाचन मंडल की मांग** की जिसे गांधीजी ने अस्वीकार कर दिया। ***डॉ. भीमराव अम्बेडकर** (बी.आर. अम्बेडकर) **तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधि** थे। *लंदन में **तीसरा गोलमेज सम्मेलन 17 नवंबर, 1932 से 24 दिसंबर, 1932** तक चला, **कांग्रेस ने इस सम्मेलन का बहिष्कार** किया।

प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से किस भारतीय नेता ने लंदन में प्रथम गोलमेज कॉन्फ्रेंस में भाग लिया था?

(a) मौलाना मुहम्मद अली (b) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(c) महात्मा गांधी (d) पं. जवाहरलाल नेहरू

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

10 जून तथा 24 जून, 1930 को साइमन कमीशन की रिपोर्ट दो भागों में प्रकाशित हुई। राजनीतिक संगठनों ने कमीशन की सिफारिशों को अस्वीकार कर दिया। कांग्रेस के प्रमुख नेता जेल में थे। ब्रिटिश सरकार ने निराशा एवं असंतोष के वातावरण में नवंबर, 1930 में लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन बुलाया। इस सम्मेलन में 89 प्रतिनिधियों ने भाग लिया किंतु कांग्रेस ने इसमें भाग नहीं लिया। इस सम्मेलन में भाग लेने वालों में प्रमुख थे–तेज बहादुर सप्रू, श्रीनिवास शास्त्री, मुहम्मद अली, मुहम्मद शफी, आगा खां, फजलुल हक, मुहम्मद अली जिन्ना, होमी मोदी, एम.आर. जयकर, मुंजे, भीमराव अम्बेडकर तथा सुंदर सिंह मजीठिया आदि।

2. प्रथम गोलमेज सम्मेलन के बारे में निम्नलिखित में से कौन एक सही नहीं है?

(a) यह 1930 में आयोजित हुआ था।
(b) इसे साइमन आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा करनी थी।
(c) इसका आयोजन लंदन में हुआ था।
(d) इसमें कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने प्रतिभाग किया था।

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. लंदन में संपन्न हुए गोलमेज सम्मेलन में भारतीय ईसाइयों का प्रतिनिधित्व किसने किया था?

(a) राव बहादुर श्रीनिवास (b) सर अकबर हैदरी
(c) सर ए.पी. पैट्रो (d) के.टी. पॉल

U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

सेंट जेम्स महल (लंदन) में संपन्न प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भाग नहीं लिया था। इस सम्मेलन में ईसाइयों का प्रतिनिधित्व के.टी. पॉल ने किया था। इस सम्मेलन का उद्घाटन ब्रिटिश सम्राट ने किया तथा इसकी अध्यक्षता ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड ने की थी।

4. ब्रिटिश सरकार द्वारा लंदन में भारतीय नेताओं का प्रथम गोलमेज सम्मेलन कब बुलाया गया?

(a) 1931 (b) 1929
(c) 1930 (d) 1932

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्नलिखित में से किन व्यक्तियों ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया?

1. महात्मा गांधी 2. सरोजिनी नायडू
3. मदन मोहन मालवीय 4. मौलाना आजाद

नीचे दिए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 3 और 4

U.P. Lower Sub.(Pre)1998

उत्तर–(c)

7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931 तक चले द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गांधी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया, इनके अलावा सरोजिनी नायडू तथा मदन मोहन मालवीय ने भी इस सम्मेलन में हिस्सा लिया। एनी बेसेंट ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया था। गांधीजी के साथ उनके सचिव महादेव देसाई, प्यारेलाल तथा मीराबेन और देवदास गांधी भी लंदन गए थे।

Scanned with OKEN Scanner

6. **इनमें से किसने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग नहीं लिया था?**
(a) महादेव देसाई (b) प्यारेलाल नैय्यर
(c) मदन मोहन मालवीय (d) जवाहरलाल नेहरू
M.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. **निम्नलिखित नेताओं में से कौन द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग नहीं लिया था?**
(a) एम.के. गांधी (b) सरोजिनी नायडू
(c) पंडित मदन मोहन मालवीय (d) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
U.P. P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किसने किया?**
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) मोतीलाल नेहरू
(c) अबुल कलाम आजाद (d) महात्मा गांधी
R.A.S./R.T.S. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. **लंदन में आयोजित निम्नलिखित गोलमेज सम्मेलनों में से किसमें महात्मा गांधी उपस्थित थे?**
(a) प्रथम में (b) द्वितीय में
(c) तृतीय में (d) उपर्युक्त में से किसी में नहीं
U.P. P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :**
कथन (A) : जवाहरलाल नेहरू ने दूसरे गोलमेज सम्मेलन (1932) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था।
कारण (R) : गांधी-इर्विन समझौते (1931) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरे गोलमेज सम्मेलन (1931) में भाग लेना अंतर्निहित था।
नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए :
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।
U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

5 मार्च, 1931 को महात्मा गांधी एवं वायसराय लॉर्ड इर्विन के बीच एक समझौता हुआ इसे 'दिल्ली पैक्ट' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें कांग्रेस की ओर से गांधीजी ने निम्नलिखित बातों को स्वीकार किया–
1. सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया जाएगा।
2. कांग्रेस निकट भविष्य में होने वाले दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेगी।
3. कांग्रेस ब्रिटिश सामान का बहिष्कार नहीं करेगी।
4. गांधीजी पुलिस द्वारा की गई ज्यादतियों के बारे में जांच की मांग नहीं करेंगे।

दूसरे गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था। अतः कथन (A) गलत है, कारण (R) सही है।

11. **निम्नलिखित में से कौन-से गोलमेज सम्मेलन में गांधीजी ने शिरकत की?**
(a) केवल प्रथम (b) केवल द्वितीय
(c) केवल तृतीय (d) प्रथम व तृतीय दोनों
U.P. Lower Sub. (Mains) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. **महात्मा गांधी, जब द्वितीय गोलमेज सभा में भाग लेने लंदन गए थे, ठहरे थे–**
(a) सेंट जेम्स पैलेस में (b) किंग्सले हॉल में
(c) इंडिया हाउस में (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
U.P. P.C.S. (Mains) 2003

उत्तर–(b)

दूसरा गोलमेज सम्मेलन लंदन में 7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931 तक चला। 5 मार्च, 1931 को हुए गांधी-इर्विन समझौते के बाद गांधीजी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में इस सम्मेलन में हिस्सा लिया था। गांधीजी 'एस.एस. राजपूताना' नामक जलपोत से लंदन पहुंचे तथा वे लंदन के 'किंग्सले हॉल' में ठहरे थे।

13. **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस के एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए महात्मा गांधी बंबई से लंदन जिस पानी के जहाज में गए थे, उसका नाम था–**
(a) एस.एस. राजपूताना (b) एस.एस. वायसराय ऑफ इंडिया
(c) एस.एस. मुल्तान (d) एस.एस. कांते रोसो
U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. निम्नलिखित में से किस गोलमेज सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि ने प्रथम बार भाग लिया था?

(a) प्रथम गोलमेज सम्मेलन (b) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
(c) तृतीय गोलमेज सम्मेलन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(b)

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि ने प्रथम बार भाग लिया था। यह सम्मेलन लंदन में 7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931 तक चला। इसमें कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में गांधीजी ने हिस्सा लिया। किंतु गतिरोधों के कारण सम्मेलन 1 दिसंबर को समाप्त घोषित कर दिया गया एवं गांधीजी को लंदन से खाली हाथ वापस आना पड़ा। स्वदेश पहुंचने पर गांधीजी ने कहा, "यह सच है कि मैं खाली हाथ लौटा हूं किंतु मुझे संतोष है कि जो ध्वज मुझे सौंपा गया था, उसे नीचे नहीं होने दिया और उसके सम्मान के साथ समझौता नहीं किया।"

15. महात्मा गांधी दिसंबर, 1931 में खाली हाथ कहां से भारत लौटे थे?

(a) लंदन (b) मॉस्को
(c) वाशिंगटन (d) टोक्यो

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन किस प्रश्न पर असफल रहा?

(a) सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व
(b) डोमिनियन स्टेटस प्रदान करना
(c) सत्ता हस्तांतरण की तिथि
(d) सविनय अवज्ञा आंदोलन का स्थगन

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 7 सितंबर, 1931 को प्रारंभ हुआ, जिसमें महात्मा गांधी कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित हुए थे। यह सम्मेलन सांप्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण पूरी तरह असफल रहा। दलित नेता भीमराव अम्बेडकर ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचन मंडल की मांग की जिसे गांधीजी ने अस्वीकार कर दिया। अंततः सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व पर गतिरोध के कारण यह सम्मेलन 1 दिसंबर, 1931 को समाप्त घोषित कर दिया गया।

17. उस भारतीय का क्या नाम था, जिसने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया था?

(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) महात्मा गांधी
(c) मुहम्मद अली जिन्ना (d) तेज बहादुर सप्रू

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006
U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(a)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर (बी.आर. अम्बेडकर) तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधि थे।

18. तीनों गोलमेज सम्मेलनों में किसने भाग लिया?

(a) मौलाना अबुल कलाम आजाद (b) मदन मोहन मालवीय
(c) बी.आर. अम्बेडकर (d) महात्मा गांधी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) (Re. Exam), 2021

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. तीनों गोलमेज सम्मेलनों में किसने भाग लिया?

(a) महात्मा गांधी (b) बी. एस. मुंजे
(c) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (d) सी.वाई चिन्तामणि

U.P.R.O./A.R.O (Mains) 2021

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. निम्नलिखित में से किसने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया था?

(a) वल्लभभाई पटेल (b) मदन मोहन मालवीय
(c) बी.आर. अम्बेडकर (d) उपर्युक्त में से किसी ने नहीं

M.P. P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. 1930-32 की अवधि में भारत और ब्रिटेन के राजनेताओं की लंदन में हुई बैठकों का प्रायः प्रथम, द्वितीय और तृतीय गोलमेज सम्मेलन के रूप में उल्लेख किया जाता है। उनका उसी रूप में उल्लेख गलत होगा, क्योंकि–

(a) इनमें से दो में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भाग लिया।
(b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को छोड़कर जिन भारतीय दलों ने भाग लिया उन्होंने पूरे भारत का नहीं, वर्गीय हितों का प्रतिनिधित्व किया था।
(c) ब्रिटेन की लेबर पार्टी सम्मेलन के बीच में ही हट गई थी और सम्मेलन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण हो गई थी।
(d) ये तीन अलग-अलग सम्मेलन नहीं थे, अपितु यह एक ही सम्मेलन की अवस्था थी, जो तीन सत्रों में संपन्न हुई थी।

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय गोलमेज सम्मेलन वस्तुतः तीन अलग-अलग सम्मेलन नहीं थे, अपितु यह एक ही सम्मेलन की अवस्था थी, जो तीन सत्रों में संपन्न हुई थी। एक ही सम्मेलन के तीन सत्रों को तीन अलग-अलग सम्मेलन कहा जाना गलत होगा। गोलमेज सम्मेलन भारत में राजनीतिक सुधारों तथा साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर वार्ता के लिए बुलाया गया था। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

22. निम्नलिखित गोलमेज सम्मेलनों में से किसका प्रतिनिधित्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने किया था?

(a) प्रथम गोलमेज सम्मेलन (b) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन
(c) तृतीय गोलमेज सम्मेलन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. P.C.S.(Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(b)

प्रथम गोलमेज सम्मेलन 12 नवंबर, 1930 से 19 जनवरी, 1931 तक लंदन में आयोजित किया गया जिसमें भारतीय उदारवादी दल, मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा, दलित वर्ग, व्यापारी वर्ग तथा रजवाड़ों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, किंतु कांग्रेस इसमें सम्मिलित नहीं हुई। दूसरा गोलमेज सम्मेलन लंदन में 7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931 तक चला, इसमें कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में गांधीजी ने हिस्सा लिया। लंदन में तीसरा गोलमेज सम्मेलन 17 नवंबर, 1932 से 24 दिसंबर, 1932 तक चला, कांग्रेस ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया।

23. निम्न में से कौन-सा गोलमेज सम्मेलन 1932 में हुआ था?

(a) पहला (b) दूसरा
(c) तीसरा (d) चौथा

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011
56rd to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने किस गोलमेज सम्मेलन में भाग नहीं लिया?

(a) प्रथम (b) द्वितीय
(c) तृतीय (d) सभी में भाग लिया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(e)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दलित वर्ग के लिए अलग निर्वाचक मंडल की मांग रखी।

2. पूना पैक्ट में स्थानीय निकायों तथा सिविल सेवाओं में दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष उपबंध रखे गए थे।

3. तृतीय गोलमेज सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भाग नहीं लिया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S (Pre) 2005

उत्तर–(d)

प्रथम गोलमेज सम्मेलन में डॉ. अम्बेडकर ने दलित वर्ग के लिए अलग निर्वाचक मंडल की मांग रखी थी। कांग्रेस ने प्रथम और तृतीय गोलमेज सम्मेलन में भाग नहीं लिया था। पूना पैक्ट में प्रावधानित था कि स्थानीय निकायों के चुनाव या लोक सेवाओं में नियुक्ति के लिए दलित वर्गों के सदस्यों के लिए कोई निर्बंधन आरोपित नहीं किए जाएंगे तथा इनमें दलित वर्गों के उचित प्रतिनिधित्व के लिए (लोक सेवाओं में नियुक्ति के लिए अपेक्षित शैक्षिक अर्हताओं के अधीन रहते हुए) हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस प्रकार प्रश्नगत तीनों कथन सही हैं।

सांप्रदायिक पंचाट एवं पूना पैक्ट (1932)

नोट्स

* द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में विभिन्न संप्रदायों एवं दलित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल के विषय पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। *अतः सम्मेलन ने इस समस्या के निदान के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड को प्राधिकृत किया। * तदनुसार **16 अगस्त, 1932 को रैम्जे मैक्डोनॉल्ड** ने अपने **सांप्रदायिक अधिनिर्णय की घोषणा** की, जिसे **सांप्रदायिक पंचाट (कम्युनल अवॉर्ड)** कहा गया। * सांप्रदायिक पंचाट के अंतर्गत प्रत्येक अल्पसंख्यक समुदाय के लिए विधानमंडलों में कुछ सीटें सुरक्षित कर दी गईं जिनके सदस्यों का चुनाव पृथक निर्वाचक मंडलों द्वारा किया जाना था। * **मुसलमान और सिख** तो **पहले से ही अल्पसंख्यक** माने जाते थे। *अब इस नए कानून के अंतर्गत **दलित वर्ग** को भी अल्पसंख्यक मानकर हिंदुओं से अलग कर दिया गया। * इसके तहत मुसलमानों, ईसाइयों, सिक्खों, आंग्ल-भारतीयों तथा अन्य के लिए पृथक निर्वाचन पद्धति की सुविधा प्रदान की गई, जो केवल प्रांतीय विधानमंडलों पर ही लागू थी। ***गांधीजी** ने अपना **पहला आमरण अनशन** (Fast Unto Death) **20 सितंबर, 1932** को **यरवदा जेल** में रहते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड के **'सांप्रदायिक निर्णय'** (Communal Award) **के विरुद्ध प्रारंभ** किया था, अंततः 24 सितंबर, 1932 को अम्बेडकर और गांधी जी के अनुयायियों के मध्य पूना समझौता (यरवदा समझौता) हुआ, जिसे ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मति प्रदान किए जाने के बाद 26 सितंबर, 1932 को गांधीजी ने अपना अनशन तोड़ा। *गांधीजी ने इस समझौता पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। * 24 सितंबर, 1932, दिन शनिवार को सायं 5 बजे पूना समझौता हस्ताक्षरित हुआ। * दलित वर्ग की ओर से डॉ. अम्बेडकर ने तथा हिंदू जाति की ओर से पं. मदन मोहन मालवीय ने इस पर हस्ताक्षर किए।

Scanned with OKEN Scanner